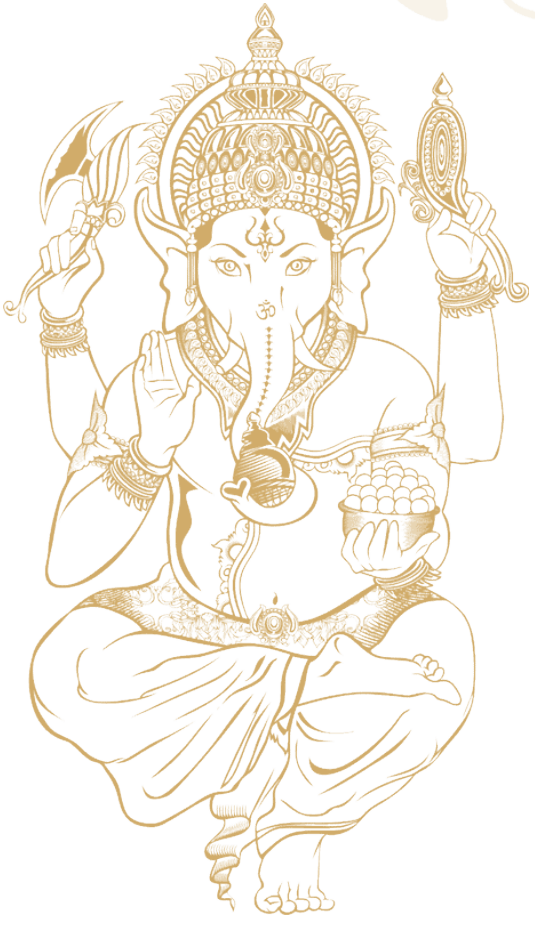

Mr.

24 Oct 2016

01:59 AM

Solan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121619207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23-24/10/2016**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**01:59:00 घंटे**
इष्ट	48:42:08 घटी
स्थान	**Solan**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	30:54:00 उत्तर
रेखांश	77:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:37:24 घंटे
वेलान्तर	00:15:44 घंटे
साम्पातिक काल	03:48:08 घंटे
सूर्योदय	06:30:08 घंटे
सूर्यास्त	17:41:23 घंटे
दिनमान	11:11:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:46:12 तुला
लग्न के अंश	07:32:34 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:32:34	307:29:18	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			तुला	06:46:12	00:59:46	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	19:33:36	12:57:15	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल			धनु	24:03:54	00:42:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	04:12:41	01:41:00	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	15:25:16	00:12:31	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	12:38:13	01:12:30	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
शनि			वृश्चि	19:28:41	00:05:49	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			सिंह	17:32:09	00:01:00	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	17:32:09	00:01:00	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		मीन	28:04:36	00:02:24	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	---
नेप	व		कुंभ	15:21:24	00:00:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	21:01:27	00:00:49	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			वृष	05:09:11	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:24

लग्न-चलित

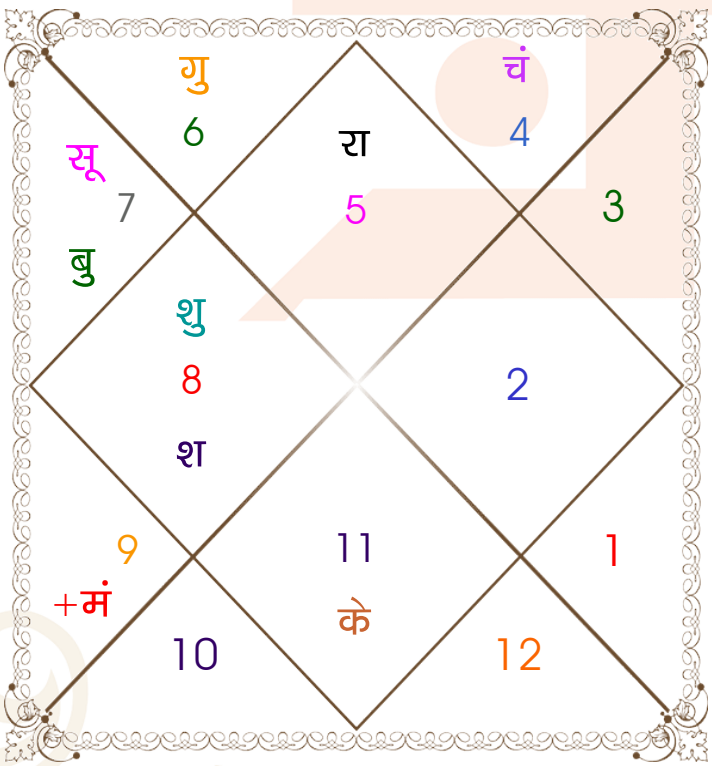

चन्द्र कुंडली

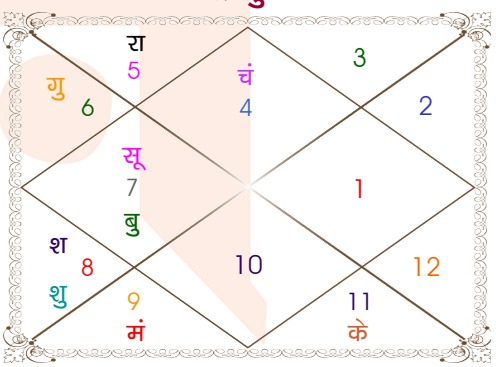

नवमांश कुंडली

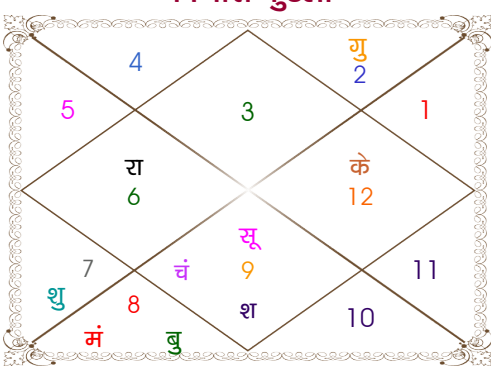

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 3 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
24/10/2016		14/02/2030		14/02/2037		14/02/2057		15/02/2063	
14/02/2030		14/02/2037		14/02/2057		15/02/2063		14/02/2073	
	00/00/0000	केतु	14/07/2030	शुक्र	16/06/2040	सूर्य	04/06/2057	चंद्र	16/12/2063
	24/10/2016	शुक्र	13/09/2031	सूर्य	16/06/2041	चंद्र	03/12/2057	मंगल	16/07/2064
शुक्र	11/05/2019	सूर्य	19/01/2032	चंद्र	15/02/2043	मंगल	10/04/2058	राहु	15/01/2066
सूर्य	16/03/2020	चंद्र	19/08/2032	मंगल	16/04/2044	राहु	05/03/2059	गुरु	17/05/2067
चंद्र	16/08/2021	मंगल	15/01/2033	राहु	17/04/2047	गुरु	22/12/2059	शनि	15/12/2068
मंगल	13/08/2022	राहु	02/02/2034	गुरु	16/12/2049	शनि	03/12/2060	बुध	17/05/2070
राहु	01/03/2025	गुरु	09/01/2035	शनि	14/02/2053	बुध	10/10/2061	केतु	16/12/2070
गुरु	07/06/2027	शनि	18/02/2036	बुध	16/12/2055	केतु	14/02/2062	शुक्र	16/08/2072
शनि	14/02/2030	बुध	14/02/2037	केतु	14/02/2057	शुक्र	15/02/2063	सूर्य	14/02/2073

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/02/2073		15/02/2080		14/02/2098		15/02/2114		15/02/2133	
15/02/2080		14/02/2098		15/02/2114		15/02/2133		00/00/0000	
मंगल	13/07/2073	राहु	28/10/2082	गुरु	05/04/2100	शनि	18/02/2117	बुध	15/07/2135
राहु	01/08/2074	गुरु	23/03/2085	शनि	17/10/2102	बुध	29/10/2119	केतु	11/07/2136
गुरु	08/07/2075	शनि	28/01/2088	बुध	22/01/2105	केतु	07/12/2120	शुक्र	25/10/2136
शनि	16/08/2076	बुध	16/08/2090	केतु	29/12/2105	शुक्र	07/02/2124		00/00/0000
बुध	13/08/2077	केतु	04/09/2091	शुक्र	29/08/2108	सूर्य	19/01/2125		00/00/0000
केतु	09/01/2078	शुक्र	03/09/2094	सूर्य	17/06/2109	चंद्र	20/08/2126		00/00/0000
शुक्र	11/03/2079	सूर्य	29/07/2095	चंद्र	17/10/2110	मंगल	29/09/2127		00/00/0000
सूर्य	17/07/2079	चंद्र	27/01/2097	मंगल	23/09/2111	राहु	05/08/2130		00/00/0000
चंद्र	15/02/2080	मंगल	14/02/2098	राहु	15/02/2114	गुरु	15/02/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।